सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 14

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : जर्मनी, इटली और स्विटजरलैंड राजशाहियों, डचियों और कैंटनों में बंटे हुए थे, जिनके शासकों के स्वायत्त क्षेत्र थे।

कारण (R) : वे अपने स्वायत्त शासन के बावजूद एक–दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े थे।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (c) A सही है, लेकिन R गलत है।

2. लैंगिक विभाजन की ..... ने सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका को बेहतर बनाने में मदद की है। 1

उत्तर राजनीतिक अभिव्यक्ति

3. "भारत में सड़क परिवहन अभी भी रेल परिवहन की अपेक्षा सुविधाजनक है।" रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन की बढ़ती महत्ता का कोई एक कारण दीजिए। 1

उत्तर

रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़क निर्माण की लागत बहुत कम है।

4. कौन–सा पशु गरीब आदमी की गाय कहलाता है? 1

उत्तर बकरी।

अथवा

देश के उत्तर और उत्तर–पूर्वी भाग में मुख्य फसल कौन–सी है?

उत्तर चावल।

5. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें– 1

ऐसा माना जाता है कि नूडल्स इटली से पश्चिम में पहुँचा और चीन में स्पैघेत्ती और पास्ता का जन्म हुआ।

उत्तर

ऐसा माना जाता है कि नूडल्स **चीन** से पश्चिम में पहुँचा और **इटली** में स्पैघेत्ती और पास्ता का जन्म हुआ।

6. निम्नलिखित में से कौन–सा जीवाश्म ईंधन नहीं है? 1

(a) कोयला (b) लौह अयस्क

(c) पेट्रोलियम (d) प्राकृतिक गैस

उत्तर (b) लौह अयस्क

7. निम्न में से कौन–सी सत्ता की साझेदारी की विशेषता है? 1

(a) यह लोगों को परामर्श देने का अधिकार प्रदान करती है।

(b) यह सरकार को वैधानिक शक्तियाँ प्रदान करती है।

(c) यह विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच विरोध को बढ़ाती है।

(d) यह अन्तर पैदा करती है।

उत्तर (a) यह लोगों को परामर्श देने का अधिकार प्रदान करती है।

8. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प इस चित्र को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

(a) नष्ट-भ्रष्ट होते पारिवारिक सम्बन्ध
(b) उलट-पुलट पारिवारिक व्यवस्था
(c) पारिवारिक कलह
(d) परिवार में महिलाओं की दुर्दशा

उत्तर (a) नष्ट-भ्रष्ट होते पारिवारिक सम्बन्ध

9. खनिज तेल निक्षेप किस प्रकार की चट्टानों में मिलते हैं? 1
(a) तलछटी चट्टानों में
(b) आग्नेय चट्टानों में
(c) कायांतरित चट्टानों में
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) तलछटी चट्टानों में

10. निम्न में से किस विकल्प को यह कार्टून सबसे अच्छा दर्शाता है? 1
(a) सरकार के बारे में आपके लिये जानकारी के स्रोत
(b) सरकार आपके और आपके परिवार के बारे में जानती है।
(c) गरीब और अमीर के बीच असमानता
(d) (a) और (b) दोनों

उत्तर (d) (a) और (b) दोनों

11. संविधान की किस अनुसूची में अधिसूचित भाषाओं को रखा गया है? 1

उत्तर आठवीं अनुसूची में।

अथवा

स्थानीय सरकार को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए संविधान में संशोधन कब किया गया था?

उत्तर 1992 में।

12. निम्नलिखित घटनाओं को सही कालक्रम में व्यवस्थित करें और सही विकल्प का चुनाव करें- 1
1. गाँधीजी का दाण्डी मार्च
2. पूना समझौता
3. चौरी-चौरा घटना
4. असहयोग आन्दोलन का प्रारम्भ

(a) 3-2-1-4 (b) 4-3-1-2
(c) 4-1-2-3 (d) 1-2-3-4

उत्तर (b) 4-3-1-2

13. स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण से संबंधित अधिकतर निर्णय ..... द्वारा लिए जाते हैं। 1

उत्तर सदस्यों

अथवा

सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा आदि धातुओं से बनी मुद्रा को ..... कहते हैं।

उत्तर धातु-मुद्रा

14. निम्नलिखित तालिका को सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए- 1

प्राथमिक क्षेत्र	द्वितीयक क्षेत्र	तृतीयक क्षेत्र
मछुआरा	दियासलाई के कारखाने में श्रमिक	(A)-?
मधुमक्खी पालक	(B)-?	कॉल सेन्टर का कर्मचारी

उत्तर

(A) - बैंक क्लर्क
(B) - दर्जी

15. सरकार द्वारा अवरोधों और प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को ..... कहते हैं। 1

उत्तर उदारीकरण

अथवा

आयात पर कर ..... का उदाहरण है।

उत्तर व्यापार अवरोधक

16. किन्हीं दो कारकों का उल्लेख कीजिए जिनके कारण आधुनिक भारत में जातियों तथा जाति-प्रथा में बहुत परिवर्तन आए हैं। 1

उत्तर

1. आर्थिक विकास
2. शहरीकरण तथा साक्षरता में बढ़ोत्तरी।

अथवा

भारत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व इतना कम क्यों हैं? दो कारण दीजिए।

उत्तर

1. निम्न साक्षरता
2. भारतीय समाज अभी भी पितृ प्रधान समाज है।

17. एक देश में चार परिवार है। इन परिवारों की औसत प्रतिव्यक्ति आय ₹5000 है। इनमें से तीन परिवारों की प्रति व्यक्ति आय क्रमशः ₹4000, ₹7000 तथा ₹3000 है। 1
ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि चौथे परिवार की प्रति व्यक्ति आय कितनी है?

(a) ₹7500 (b) ₹3000
(c) ₹2000 (d) ₹6000

उत्तर (d) ₹6000

18. गठबंधन सरकार के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? 1

(a) केवल दो पार्टियाँ गठजोड़ करती हैं और चुनाव लड़ती हैं।
(b) अनेक पार्टियाँ सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं।
(c) दो या अधिक पार्टियाँ एक साथ मिलकर सरकार का गठन करती हैं।
(d) अनेक पार्टियाँ गठजोड़ करके सत्ता के लिए चुनाव लड़ती हैं।

उत्तर (c) दो या अधिक पार्टियाँ एक साथ मिलकर सरकार का गठन करती हैं।

19. सत्ता की क्षैतिज साझेदारी का एक उदाहरण दें। 1

उत्तर

सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता की साझेदारी।

20. सूची-I का सूची-II से मिलान करें- 1

	सूची-I		सूची-II
1.	बम्बई में पहली सूती वस्त्र मिल	क	सेठ हुक्मचंद
2.	कलकत्ता में पहली भारतीय जूट मिल	ख	रानीपेट (तमिलनाडु)
3.	भारत में पहला उवरर्क संयंत्र	ग	चेन्नई
4.	भारत में सींमेंट का पहला कारखाना	घ	1854

उत्तर 1-घ, 2-क, 3-ख, 4-ग

खण्ड-ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. असम में बागानी मजदूरों की महात्मा गाँधी के विचारों और स्वराज के बारे में अपनी अलग अवधारणा थी। तर्क देकर कथन की पुष्टि कीजिए। 3

उत्तर :

1. 1859 के इंग्लैंड इमिग्रेशन एक्ट के अनुसार बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बिना इजाजत बागान से बाहर जाने की छूट नहीं थी और इस प्रकार की अनुमति बहुत ही कम मिलती थी।
2. जब उन्होंने असहयोग आंदोलन के विषय में सुना तो हजारों मजदूरों ने अपने अधिकारियों की अवहेलना करनी प्रारंभ कर दी। वे बागान को छोड़कर अपने घर की ओर चल दिए।
3. उनका अनुमान था कि अब गाँधी राज आ गया है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को गाँव में जमीन दी जाएगी लेकिन वे अपनी मंजिल तक पहुँचने में असमर्थ रह गए।

अथवा

गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस क्यों ले लिया था?

उत्तर :

1. जब भारतीय नेता बंदी बना लिए गए तो क्रुद्ध भीड़ ने पेशावर की गलियों में प्रदर्शन किया और बख्तरबंद गाड़ियों तथा पुलिस गोलीबारी का सामना किया। कई लोग मारे गए।
2. एक मास बाद जब गाँधी जी स्वयं गिरफ्तार हुए तो औद्योगिक कर्मियों ने पुलिस चौकी, सरकारी भवनों, न्यायालयों, रेलवे स्टेशनों तथा उन सभी ढाँचों पर हमला कर दिया जो अंग्रेजी सरकार के प्रतीक थे।

22. संसाधन क्या है? संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 3

उत्तर :

सभी उपयोगी पदार्थ जो मनुष्य की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, संसाधन कहलाते हैं।

विशेषताएँ

1. ये प्रकृति के निःशुल्क उपहार हैं तथा पर्यावरण के उपयोगी तत्त्व हैं।
2. ये तकनीक द्वारा प्राप्त किये जाते हैं।
3. ये आर्थिक रूप से साध्य हैं।
4. ये मनुष्य की आवश्यकताओं को संतुष्ट करते हैं।
5. ये सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य हैं।
6. ये सीमित मात्रा में मिलते हैं।

अथवा

संसाधन नियोजन क्या है? संसाधनों का नियोजन क्यों आवश्यक है? कोई दो कारण दें।

उत्तर :

संसाधन नियोजन– देश में मौजूदा संसाधनों का पता लगाना, भंडार की मात्रा ज्ञात करना तथा उनका कुशल उपयोग करके मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करना ही संसाधन नियोजन है।

संसाधनों का नियोजन– संसाधन नियोजन निम्न कारणों से आवश्यक है–

1. संसाधन सीमित हैं इसलिए उनका नियोजन बहुत आवश्यक है जिससे उनका उपयोग उचित ढंग से किया जा सके तथा उन्हें भविष्य के लिये बचाया जा सके।
2. संसाधन न केवल सीमित हैं बल्कि उनका वितरण भी असमान है। कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ कुछ संसाधन अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं जबकि दूसरे संसाधन उपलब्ध नहीं हैं लेकिन देश का समान विकास करने के लिये सभी संसाधनों का नियोजन अत्यंत आवश्यक है।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

एक राष्ट्र लंबे प्रयासों, त्याग और निष्ठा का चरम बिंदु होता है। शौर्य–वीरता से युक्त अतीत, महान पुरूषों के नाम और गौरव वह सामाजिक पूँजी है जिस पर एक राष्ट्रीय विचार आधारित किया जाता है। अतीत में समान गौरव का होना, वर्तमान में एक समान इच्छा, संकल्प का होना साथ मिलकर महान काम करना और आगे, ऐसे काम और करने की इच्छा– एक जनसमूह होने की यह सब जरूरी शर्ते हैं। अतः राष्ट्र एक बड़ी और व्यापक एकता है.....उसका अस्तित्व रोज होने वाला जनमत संग्रह है। प्रांत उसके निवासी हैं। अगर सलाह लिए जाने का किसी का अधिकार है तो वह निवासी ही है। किसी देश का विलय करने या किसी देश पर उसकी इच्छा के विरुद्ध कब्जा जमाए रखने में एक राष्ट्र की वास्तव में कोई दिलचस्पी होती नहीं है। राष्ट्रों का अस्तित्व में होना एक अच्छी बात है, बल्कि यह एक जरूरत भी है। उनका होना स्वतंत्रता की गारंटी है और अगर दुनिया में केवल एक कानून और उसका केवल एक मालिक होता तो स्वतंत्रता का लोप हो जाएगा।

स्रोत ख

ग्रिम्सफेयरीटेल्स एक जाना–माना नाम है। जैकब ग्रिम और विल्हेल्म ग्रिम बंधुओं का जन्म क्रमशः 1785 और 1786 में जर्मनी के हनाऊ शहर में हुआ था। जिस समय ये दोनों भाई कानून की पढ़ाई कर रहे थे उसी समय उन्होंने शौकिया तौर पर पुरानी लोक कथाएँ इकट्ठा करना शुरू कर दिया। वे छह साल तक गाँव–गाँव जाकर यही काम करते रहे। वे लोगों से बात करते थे और पीढ़ियों से चली आ रही जो भी लोक कथा उनकी जानकारी में आती उसे लिखकर रख लेते थे। ये कहानियाँ बच्चों और बड़ों में समान रूप से पसंद की जाती थी। 1812 में उन्होंने इन कहानियों का पहला संग्रह प्रकाशित किया। बाद में दोनों भाई उदारवादी राजनीति में सक्रिय हो गए। प्रेस की स्वतंत्रता के आंदोलन में उन्होंने विशेष रूचि ली। इसी बीच उन्होंने 33 खंडों में जर्मन भाषा का शब्दकोश भी प्रकाशित कर डाला।

ग्रिम बंधु फ्रांस के वर्चस्व को जर्मन संस्कृति के लिए खतरा मानते थे। उनको विश्वास था कि उन्होंने जो लोककथाएँ इकट्ठी की हैं वे विशुद्ध और सच्ची जर्मन भावना की अभिव्यक्ति हैं। लोक कथाएँ इकट्ठी करने और जर्मन भाषा को विकसित करने के अपने प्रयासों को वे फ्रांसीसी प्रभुत्व का विरोध करने और एक जर्मन राष्ट्रीय पहचान गढ़ने की व्यापक योजना का हिस्सा मानते थे।

स्रोत ग

'महिलाओं को राजनैतिक अधिकारों से वंचित रखना वाकई बेतुका और अविवेकपूर्ण है जबकि उन्हें संपत्ति का अधिकार है जिसका वे इस्तेमाल करती हैं और जिम्मेदारियाँ भी उठाती हैं हालाँकि उन्हें वे लाभ नहीं मिलते जो उसी के लिए पुरूषों को मिलते हैं ..... यह अन्याय क्यों? क्या यह लज्जा की बात नहीं कि सबसे मूर्ख मवेशी–पालक को मत देने का अधिकार सिर्फ इसलिए है क्योंकि वह एक पुरूष है जबकि अत्यंत काबिल महिलाओं को, जो काफी संपत्ति की मालकिन होती हैं, इसी हक से वंचित रखा जाता है यद्यपि वे राज्य के रख–रखाव में इतना ज्यादा योगदान देती है।

स्रोत क

23.1 उस फ्रांसीसी दार्शनिक का नाम बताइए जिसने 1882 में सॉबॉन विश्वविद्यालय में यह लेक्चर दिया था। 1

उत्तर : फ्रांसीसी दार्शनिक का नाम है–अन्स्र्ट रेनन।

स्रोत ख

23.2 ग्रिम्स बंधु गाँव–गाँव क्यों घूमते थे? 1

उत्तर : वे गाँव–गाँव लोगों से बात करने और पुरानी लोक कथाओं को इकट्ठा करने के लिए घूमते थे।

स्रोत ग

23.3 यह पत्र किसने और किसे लिखा है? 1

उत्तर : यह पत्र एक अनाम पाठक द्वारा समाचारपत्र के संपादक को भेजा गया है।

24. श्रीलंका में पास हुए 1950 के कानून के अनुसार सिंहली लोगों के वर्चस्व के प्रावधान लिखिए। 3

उत्तर :

1. सिंहली या सिंहला भाषा श्रीलंका की राजकीय भाषा होगी।
2. सिंहली लोगों को शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

3. सिंहली लोग किसी भी राजनीतिक प्रक्रिया में स्वतंत्र रूप से भाग ले सकते हैं।
4. बौद्ध धर्म को पूजा–अर्चना की पूर्ण स्वतंत्रता मिली।

अथवा

सत्ता के उर्ध्वाधर वितरण तथा क्षैतिज वितरण में क्या अंतर है?

उत्तर :

	उर्ध्वाधर वितरण	क्षैतिज वितरण
1.	उर्ध्वाधर वितरण के अंतर्गत सरकार के विभिन्न स्तरों में सत्ता का बँटवारा होता है।	क्षैतिज वितरण के अंतर्गत सरकार के विभिन्न अंगों जैसे कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका में सत्ता का बँटवारा होता है।
2.	इसमें उच्चतर तथा निम्नतर स्तर की सरकारें होती हैं।	इसमें सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रहकर अपनी–अपनी शक्ति का उपयोग करते हैं।
3.	इसमें निम्नतर स्तर के अंग उच्चतर स्तर के अंगों के अधीन काम करते हैं।	इसमें प्रत्येक अंग दूसरे पर नियंत्रण रखता है।

25. प्रिंटिंग प्रेस ने पुस्तकों तक पहुँचने–पढ़ने की एक नई संस्कृति को जन्म दिया। उदाहरणों द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। 3

उत्तर

पुस्तकों और संस्कृति में चोली–दामन का साथ है। आधुनिक युग में प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार ने पुस्तकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि की और नए–नए पाठक (महिला, मजदूर, वृद्ध, बालक और सामान्यजन) की संख्या बहुत बढ़ा दी। इस प्रकार से पुस्तकों के द्वारा पढ़ने के शौक और अवसरों ने सर्वत्र एक नई संस्कृति को जन्म दिया। इस संदर्भ में हम निम्न उदाहरण दे सकते हैं–

1. छपाई मशीन आने से पूर्व पुस्तकों तक केवल सम्पन्न वर्ग की ही पहुँच होती थी अर्थात् वे इतनी महँगी होती थी कि जन–साधारण उन्हें नहीं खरीद पाता था।
2. मुद्रण कला के विकास के साथ ही पुस्तकें अब सस्ती हो गई और वे घर–घर तक पहुँचने लगी थी।
3. छपाई के विकास के साथ ही सुनने वाले लोग अब बदल कर पढ़ने वाले लोग बन गये थे।
4. पुस्तकों के आगमन के साथ अब लोगों की रूचि शिक्षा की ओर होने लगी थी। लोग घर बैठ कर ही पुस्तकों के माध्यम से शिक्षा के साथ मनोरंजन भी कर सकते थे।

26. राष्ट्रीय व्यापार तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अन्तर बताएँ। 3

उत्तर :

	राष्ट्रीय व्यापार	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
1.	इस प्रकार का व्यापार देश के अन्दर ही होता है। जैसे– राज्यों के बीच व्यापार।	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दो देशों के बीच होता है। जैसे– भारत तथा ब्रिटेन के बीच व्यापार।
2.	इसके अंतर्गत अतिरिक्त उत्पाद एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश को भेजा जाता है।	इसके अंतर्गत अतिरिक्त उत्पाद एक देश से दूसरे देश को भेजा जाता है।
3.	यह प्रादेशिक असंतुलन को मिटाता है।	यह देशों के मध्य असंतुलन को मिटाता है।
4.	पंजाब और हरियाणा अपने अतिरिक्त गेहूँ को अन्य राज्यों में भेजते हैं। यह राष्ट्रीय व्यापार का उदाहरण है।	भारत अपना अतिरिक्त लौह अयस्क जापान को भेजता है। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का उदाहरण है।

27. भारतीय अर्थव्यवस्था में प्राथमिक क्षेत्रक के महत्त्व पर प्रकाश डालिए 3

उत्तर :

भारतीय अर्थव्यवस्था में प्राथमिक क्षेत्रक का महत्त्व

1. यह अधिकांश जनसंख्या की आजीविका का आधार है।
2. इस क्षेत्रक में उन क्रियाओं का प्रयोग किया जाता है जो प्राकृतिक संसाधनों का प्रत्यक्ष रूप से प्रयोग करती हैं।
3. अंतिम रूप में जो वस्तुओं का निर्माण करते हैं यह क्षेत्रक उन सबका आधार है।
4. यह क्षेत्रक अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रकों का आधार है।

अथवा

भारत में सेवा क्षेत्रक की वृद्धि के लिए किन्हीं तीन कारणों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

1. जैसे–जैसे आय बढ़ती है, कुछ वर्ग के लोग कई सेवाओं जैसे रेस्तराँ, शॉपिंग, निजी अस्पताल, निजी विद्यालय की माँग शुरू कर देते हैं।
2. कृषि एवं उद्योग के विकास से परिवहन, व्यापार भंडारण जैसी सेवाओं का विकास होता है तथा बहुत बड़ी संख्या में लोग छोटी दुकानों, मरम्मत कार्यो जैसी सेवाओं में लगे हैं।
3. वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित नवीन सेवाएँ जैसे–कॉल सेंटर, इंटरनेट, ए.टी.एम. इत्यादि विकसित हुए हैं।

28. ग्रामीण क्षेत्र में साख के कौन से स्रोत हैं? उनमें से कौन–सा साख का सुविधाजनक स्रोत हैं? 3

उत्तर :

ग्रामीण क्षेत्र में साख के कई स्रोत हैं। इन स्रोतों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता हैं–

1. **औपचारिक स्रोत–** औपचारिक स्रोतों में बैंक तथा सहकारी समितियाँ आदि हैं।
2. **अनौपचारिक स्रोत–** साहूकार, महाजन, व्यापारी, संबंधी, नियोक्ता, मित्र आदि हैं।

सुविधाजनक स्रोत–साख के अनौपचारिक स्रोत निम्नलिखित कारणों से सुविधाजनक हैं–

1. साख के अनौपचारिक स्रोत से ऋण प्राप्त करना बहुत सरल है। इनसे जरूरत के समय तत्काल ऋण लिया जा सकता है।
2. साख के औपचारिक स्रोत की अपेक्षा साख के अनौपचारिक स्रोत से ऋण लेने में कम गारण्टी की आवश्यकता होती है।
3. किसी ऋणाधार की जरूरत नहीं होती क्योंकि ऋणदाता उधारकर्ता को व्यक्तिगत रूप से जानता हैं।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. भारत के प्रारंभिक उद्यमियों के कार्य, योगदान, उपलब्धियों आदि पर संक्षिप्त लेख लिखिए। 5

उत्तर :

भारत के प्रारंभिक उद्यमियों के कार्य, योगदान और उपलब्धियाँ निम्न प्रकार है–

1. **संयुक्त उद्यम**– अफीम के व्यापार से धन कमाने के बाद कुछ व्यवसायी भारत में औद्योगिक उद्यम स्थापित करना चाहते थे। बंगाल में द्वारकानाथ टैगोर ने चीन के साथ अफीम के व्यापार में खूब धन कमाया और वे उद्योगों में निवेश करने लगे। 1830–1840 के दशकों में उन्होंने 6 संयुक्त उद्यम स्थापित किए।
2. **पारसी, मारवाड़ी और बिड़ला उद्यमी**– पारसी व्यापार घराने (टाटा नाम से प्रसिद्ध) ने चीन और इंग्लैंड को कपास का निर्यात करके धन कमाया। कलकत्ता में देश की पहली जूट मिल लगाने वाले मारवाड़ी व्यवसायी सेठ हुकुमचंद ने चीन के साथ व्यापार किया था। यही काम प्रसिद्ध उद्योगपति जी. डी. बिरला के पिता और दादा ने भी किया।
3. **पूँजी संचय**– पूँजी इकट्ठा करने के लिए अन्य व्यापारिक नेटवर्कों का सहारा लिया गया। मद्रास के कुछ सौदागरों ने बर्मा (म्यांमार), मध्य–पूर्व और पूर्वी अफ्रीका के देशों के साथ भी कई वस्तुओं में व्यापार किया।
4. कुछ वाणिज्यिक समूह भारत में ही व्यवसाय करते थे। वे एक जगह से दूसरी जगह माल पहुँचाकर और ब्याज पर पूँजी ऋण उपलब्ध कराकर धन कमाते थे। जब उद्योगों में निवेश के अवसर मिले तो उनमें से बहुत से व्यापारियों ने कारखाने (फैक्ट्रियाँ) लगा लिए।
5. **यूरोपीय प्रबंधकीय एजेंसियों की भूमिकाएँ**– पहले विश्व युद्ध तक यूरोपीय प्रबंधकीय एजेंसियाँ भारतीय उद्योगों के विशाल क्षेत्र का नियंत्रण करती थी। इनमें बर्ड हीगलर्स एडं कंपनी, एंड्रयू यूल और जार्डीन स्किनर एंड कंपनी सबसे बड़ी कंपनियाँ थी। ये एजेंसियाँ पूँजी जुटाती थी, संयुक्त उद्यम कंपनियाँ लगाती थी और उनका प्रबंधन सँभालती थी।

   ज्यादातर मामलों में भारतीय वित्तपोषक (फाइनेंसर) पूँजी उपलब्ध कराते थे जबकि निवेश और व्यवसाय से संबंधित फैसले यूरोपीय एजेंसियाँ लेती थी। यूरोप के व्यापारियों और उद्योगपतियों के अपने वाणिज्यिक परिसंघ थे जिनमें भारतीय व्यवसायियों को शामिल नहीं किया जाता था।
6. **औपनिवेशिक अवरोध**– भारतीय व्यापार पर औपनिवेशिक शिकंजा कसता गया और भारतीय व्यवसायियों के लिए जगह सिकुड़ती गई। उन्हें अपना तैयार माल यूरोप में बेचने से रोक दिया गया। अब वे मुख्य रूप से कच्चे माल और कपास, अफीम, गेहूँ और नील का ही निर्यात कर सकते थे क्योंकि अंग्रेजों को इनकी जरूरत थी। धीरे–धीरे उन्हें जहाजरानी व्यवसाय से भी बाहर धकेल दिया गया।

अथवा

भारत के आधुनिक उद्योगों में काम करने के लिए मजदूर कहाँ से आये? उनकी प्रारंभिक स्थिति और कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

मजदूरों की आपूर्ति

1. ब्रिटिश शासनकाल में 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में बड़े पैमाने के उद्योग या फैक्ट्रियाँ लगाई गई। फैक्ट्रियों के विस्तार से मजदूरों की माँग बढ़ने लगी। 1901 में भारतीय फैक्ट्रियों में 584000 मजदूर काम करते थे। 1946 तक यह संख्या बढ़कर 2436000 हो चुकी थी।
2. इन औद्योगिक क्षेत्रों के मजदूर आसपास के जिलों से आते थे। जिन किसानों और कारीगरों को गाँव में काम नहीं मिलता था वे औद्योगिक शहरों में काम ढूँढने आ जाते थे। 1911 में मुंबई के सूती कपड़ा उद्योग के आधे से ज्यादा मजदूर रत्नागिरी जिले से आये थे। कानपुर की मिलों में काम करने वाले कानपुर जिले के गाँवों से आते थे।

स्थिति और कठिनाइयाँ

1. मिल मजदूर बीच–बीच में अपने गाँव जाते रहते थे। वे फसलों की कटाई व त्यौहारों के समय गाँव लौट जाते थे। कालांतर में, जब नये कामों की खबर फैली तो दूर–दूर से भी लोग आने लगे। उदाहरण के लिए, संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के लोग मुंबई की कपड़ा मिलों और कलकत्ता की जूट मिलों में काम करने आने लगे।

2. समय के साथ फैक्ट्री मजदूरों की संख्या बढ़ने लगी लेकिन कुल औद्योगिक श्रम शक्ति में उनका अनुपात बहुत छोटा था।
3. मिलों की संख्या बढ़ती जा रही थी और मजदूरों की माँग भी बढ़ रही थी लेकिन उनकी पूर्ति माँग की तुलना में कई गुना अधिक रहने से उनका शोषण होता था।
4. उद्योगपति नये मजदूरों की भर्ती के लिए प्रायः एक जॉबर (Jobber) या काम दिलाने वाला दलाल रखते थे। जॉबर कोई पुराना और विश्वस्त कर्मचारी होता था। वह अपने गाँव से लोगों को लाता था, उन्हें काम का भरोसा देता था, उन्हें शहर में जमने के लिए मदद देता था और मुसीबत में पैसे से भी मदद करता था। इस प्रकार जॉबर एक ताकतवर और मजबूत व्यक्ति बन गया था। बाद में जॉबर इस मदद के बदले पैसे व तोहफों की माँग करने लगे और मजदूरों को परेशान करने लगे।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

उद्योगों की स्थापना स्वभावतः जटिल है। इनकी स्थापना कच्चे माल की उपलब्धता, श्रमिक, पूँजी, शक्ति के साधन तथा बाजार आदि की उपलब्धता से प्रभावित होती है। इन सभी कारकों का एक स्थान पर पाया जाना लगभग असंभव है। फलस्वरूप विनिर्माण उद्योग की स्थापना के लिए वही स्थान उपयुक्त हैं जहाँ ये कारक उपलब्ध हो अथवा जहाँ इन्हें कम कीमत पर उपलब्ध कराया जा सकता है।

औद्योगिक प्रक्रिया के प्रारंभ होने के साथ–साथ नगरीकरण प्रारंभ होता है। कभी–कभी उद्योग शहरों में या उनके निकट लगाए जाते हैं। इस प्रकार औद्योगीकरण तथा नगरीकरण साथ–साथ चलते हैं। नगर उद्योगों को बाज़ार तथा सेवाएँ जैसे– बैंकिंग, बीमा, परिवहन, श्रमिक तथा वित्तीय सलाह आदि उपलब्ध कराते हैं। नगर केन्द्रों द्वारा दी गई सुविधाओं से लाभांवित, कई बार बहुत से उद्योग नगरों के आसपास ही केंद्रित हो जाते हैं जिसे 'समूहन बचत' कहा जाता है। ऐसे स्थानों पर धीरे–धीरे बड़ा औद्योगिक समूहन स्थापित हो जाता है।

स्वतंत्रता से पहले अधिकतर विनिर्माण उद्योगों की स्थापना दूरस्थ देशों से व्यापार पर आधारित थी जैसे– मुंबई, कोलकाता व चेन्नई आदि। परिणामस्वरूप कुछ एक नगर औद्योगिक केन्द्र के रूप में उभरे जो ग्रामीण कृषि पृष्ठप्रदेश से घिरे थे।

30.1 समूहन बचत से आप क्या समझते हैं?

30.2 किसी क्षेत्र में उद्योग की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या कीजिए।

30.3 **औद्योगीकरण और शहरीकरण एक साथ चलते हैं।** कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर :

30.1

कई उद्योग शहरी केन्द्रों द्वारा उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए जब साथ आने का प्रयास करते हैं तो उसे समूहन बचत कहा जाता है।

30.2

किसी उद्योग की किसी एक क्षेत्र में अवस्थिति निम्न कारकों पर निर्भर करती है–

(a) **कच्चे माल की उपलब्धता–** ऐसे उद्योग जो भारी कच्चे माल का बड़ी मात्रा में प्रयोग करते हैं अक्सर ऐसे स्थानों पर स्थापित किए जाते हैं जहाँ कच्चा माल अधिक मात्रा में उपलब्ध हो। जैसे– पटसन उद्योग पश्चिम बंगाल और सूती वस्त्र उद्योग मुंबई और अहमदाबाद में स्थित है।

(b) **विद्युत की निकटता–** कच्चे माल के शोधन के लिए विद्युत की आवश्यकता होती है। जिन उद्योगों को अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है, वे ऊर्जा स्रोतों के निकट लगाए जाते हैं।

(c) **मौसम–** यह भी उद्योगों के केंन्द्रीकरण में सहायता करता है। यह कृषि आधारित उद्योगों पर प्रभाव डालता है जैसे– सूती वस्त्र उद्योग, पटसन उद्योग आदि।

इन भौतिक कारकों के अतिरिक्त कुछ मानवीय कारक भी हैं जो उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करते हैं। जैसे– श्रमिक, परिवहन सुविधा, क्षेत्र में वस्तुओं की माँग आदि।

30.3

(a) औद्योगिक प्रक्रिया के प्रारंभ होने के साथ–साथ नगरीकरण प्रारंभ होता है कभी–कभी उद्योग शहरों में या उनके निकट लगाए जाते हैं। इस प्रकार औद्योगीकरण तथा नगरीकरण साथ–साथ चलते हैं।

(b) नगर उद्योगों को बाज़ार तथा सेवाएँ; जैसे– बैंकिंग, बीमा, परिवहन, श्रमिक तथा वित्तीय सलाह आदि उपलब्ध कराते हैं। नगर केन्द्रों द्वारा दी गई सुविधाओं से लाभान्वित, कई बार बहुत से उद्योग नगरों के आस पास ही केन्द्रित हो जाते हैं।

(c) आज के इस वैश्वीकरण के युग में हमारे उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी और सक्षम होने की आवश्यकता है। केवल आत्मनिर्भरता ही काफी नहीं है। हमारी वस्तुएँ गुणवत्ता में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की होंगी तभी हम अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा कर पाएँगे और वहाँ अपने पैर जमा पाएँगे।

31. सभी देशों और सभी परिस्थितियों में कोई भी दलीय व्यवस्था आदर्श नहीं हैं। इस कथन की पाँच तर्कों के साथ न्यायसंगत पुष्टि कीजिए। 5

उत्तर :

सभी देशों और सभी परिस्थितियों में कोई भी दलीय व्यवस्था आदर्श नहीं है। इस कथन को निम्नलिखित तर्कों द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है–

1. दलीय व्यवस्था का चुनाव करना किसी देश के हाथ में नहीं है। यह एक लम्बे दौर के कामकाज के बाद स्वयं विकसित होती है।
2. इसमें समाज की प्रकृति, इसके राजनीतिक विभाजन, राजनीति का इतिहास और इसकी चुनाव प्रणाली सभी चीजें अपनी भूमिका निभाती हैं।
3. विकसित हो चुकी दलीय व्यवस्था को बहुत जल्दी बदला नहीं जा सकता।
4. हर देश अपनी विशेष परिस्थितियों के अनुरूप दलीय व्यवस्था विकसित करता है, जैसे– यदि भारत में बहुदलीय व्यवस्था है तो उसका कारण यह है कि दो–तीन पार्टियाँ इतने बड़े देश की प्रतिनिधि बन जाएँ यह एक कठिन कार्य है।
5. कई देशों की सभी सामाजिक और भौगोलिक विविधताओं को समेट पाने में हर एक दलीय व्यवस्था उपयुक्त नहीं हो सकती है।

अतः हर देश और हर स्थिति में कोई एक ही आदर्श प्रणाली चले, वह संभव नहीं है।

32. पर्यावरण अवक्षय के कारण समझायें। 5

उत्तर :

पर्यावरण अवक्षय के कारण– पर्यावरण अवक्षय के निम्नलिखित कारण हैं–

1. **जनसंख्या विस्फोट–** पर्यावरण अवक्षय का एक मुख्य कारण भारत में जनसंख्या विस्फोट की प्रवृत्ति है। इसके फलस्वरूप भूमि पर जनसंख्या का दबाव बहुत अधिक बढ़ गया है तथा भूमि का अधिक शोषण होने लगा है। जनसंख्या विस्फोट के कारण वनों के अन्तर्गत भूमि प्राप्त करने के लिए वनों की बहुत अधिक कटाई की गई है।
2. **लोगों की निर्धनता–** भारत में निर्धनता रेखा से नीचे के लोगों की संख्या काफी अधिक है। ये लोग अपने जीवन–निर्वाह के लिए वनों की कटाई करते हैं। तथा अनेक प्रकार की प्राकृतिक पूँजी का शोषण करते हैं।
3. **बढ़ता हुआ नगरीकरण–** नगरीकरण के बढ़ने के फलस्वरूप मकानों तथा सार्वजनिक सुविधाओं में काफी वृद्धि हुई है। इसके फलस्वरूप भूमि तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक शोषण किया जा रहा है।
4. **तीव्र औद्योगीकरण–** द्रुत और तीव्र औद्योगीकरण भी वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा देता है। विशेष रूप से धुआँ एक खतरनाक प्रदूषक है।
5. जागरूकता का अभाव– लोगों में शिक्षा और जागरूकता का अभाव भी पर्यावरण अवक्षय का एक प्रमुख कारण है।

33. दुनियाभर में लोकतंत्र का विकास जन संघर्षों और आंदोलनों से हुआ है। इस कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए। 5

उत्तर :

दुनियाभर में लोकतंत्र का विकास जन संघर्षों और आंदोलनों से हुआ है। यह कथन बिल्कुल सत्य है। उदाहरण के लिए सन् 2006 में नेपाल में विलक्षण जन–आंदोलन शुरू हुआ। वास्तव में नेपाल एक राजतांत्रिक राज्य था जिसका राजा वीरेंद्र था। 1990 में उसने देश में संवैधानिक राजतंत्र को बहाल करने की सहमति दे दी। चाहे राजा ही देश का औपचारिक मुखिया था, परंतु वास्तविक सत्ता जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के हाथों में थी। 2001 के रहस्यमय कत्लेआम में राजा वीरेंद्र के संपूर्ण परिवार का कत्ल हो गया। उसके बाद राजा ज्ञानेंद्र ने सत्ता संभाल ली, परंतु उसे संवैधानिक राजतंत्र का विचार पसंद नहीं आया। फरवरी, 2005 में उसने कमजोर तथा अलोकप्रिय सरकार का लाभ उठाया तथा प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया। इसके बाद उसने संसद को भी भंग कर दिया तथा देश की सत्ता संभाल ली। अप्रैल, 2006 में नेपाल में लोकप्रिय आंदोलन शुरू हुआ ताकि लोकतंत्र को दोबारा बहाल करके राजा को हटाया जा सके।

देश के सभी सात राजनीतिक दल एक ही मंच पर आए तथा उन्होंने एक गठबंधन बनाया जिसका नाम सप्त दलीय गठबंधन (एस.पी.ए.) था। इसने देश में चार दिन की हड़ताल का ऐलान किया, परंतु बाद में यह अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल गई। बाद में माओवादी भी इस संगठन में शामिल हो गए। सुरक्षा दल उन लाखों लोगों को तितर–बितर करने में नाकाम रहे जो देश में लोकतंत्र की दोबारा बहाली की माँग कर रहे थे। अप्रैल आते–आते हड़तालियों की संख्या 3.5 लाख तक पहुँच गई तथा राजा को अल्टीमेटम दे दिया गया। राजा ने बेमन से, वे माँगें मान ली तथा कुछ रियायतें दे दी, परंतु आंदोलन के नेताओं ने इन रियायतों को अस्वीकार कर दिया। 24 अप्रैल, 2006 को राजा उस दबाव के आगे झुक गया तथा उसने सभी माँगों को मान लिया। संसद को दोबारा बहाल कर दिया गया तथा राजा की शक्तियाँ छीन ली गई। इस प्रकार नेपाल में लोकतंत्र को दोबारा बहाल कर दिया गया।

अथवा

लोकतांत्रिक सरकार को उत्तरदायी सरकार के रूप में किस प्रकार जाना जाता है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

लोकतांत्रिक सरकार का अर्थ है लोगों की सरकार, लोगों द्वारा चुनी गई सरकार तथा लोगों के हित के लिए निर्मित सरकार। लोकतांत्रिक सरकार को निम्न कारणों से एक उत्तरदायी सरकार माना जाता है–

1. सत्ताधारी दल ही सरकार का गठन करता है जो बहुमत में हो अर्थात् उस दल के अधिक प्रत्याशियों को देश की

जनता ने चुना हो। ऐसी सरकार जो निर्णय लेती है तथा उन्हें कार्यान्वित करती है उनके प्रति वह विरोधी दलों के समक्ष जवाबदेही का कार्य करती है तथा जिम्मेदार भी होती है। वह लोगों द्वारा उठायी गई शंकाओं के समाधान के लिए उत्तरदायी होती है।

2. वह नागरिकों की राय, आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के प्रति सजग रहती है। इसे ही वह अपनी जिम्मेदारी भी मानती है।
3. यह सरकार संविधान के सभी नियमों को ध्यान में रखकर जनता की भलाई के लिए कार्य करती है। इसे जनता ने केवल पाँच वर्ष के लिए ही चुना है। अतः इसे इस बात का भय लगा रहता है कि यदि जनता की अपेक्षाओं के अनुकूल इसके कार्य न हुए तो पाँच वर्ष के पश्चात् वह पुनः सत्ता में नहीं आ सकेगी।

उदाहरण– सरकार ने एल.पी.जी., पेट्रोल तथा डीजल के मूल्यों में वृद्धि की है तो वह इसका कारण भी बताती है। खाद्य पदार्थों पर मूल्य वृद्धि का कारण भी उसको बताना पड़ेगा।

34. हाल ही के वर्षो में हमारे बाजार किस प्रकार पूरी तरह परिवर्तित हो गये हैं? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

हाल ही के वर्षों में भारतीय बाजारों में इतने अधिक परिवर्तन हो गये हैं कि वर्तमान में वे पूर्णतः परिवर्तित लगते हैं–

1. पहले उपभोक्ता अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति बड़ी मुश्किल से आवश्यक वस्तु पाकर करते थे। इसका कारण सभी प्रकार की वस्तुओं के उत्पादन का भारत में न होना था। बहुत सी वस्तुओं को विदेशों से आयात करके अपनी आवश्यकताओं को पूरा करना पड़ता था।
2. आज विज्ञान ने तथा प्रौद्योगिकी की प्रगति ने सभी प्रकार की वस्तुओं के उत्पादन की युक्ति एवं क्षमता भारतीयों को प्राप्त हो गयी है।
3. वैश्वीकरण तथा उदारीकरण की नीति ने भारतीय बाजारों को अपने सामानों से भर दिया है। सभी प्रकार के प्रतिबंध हटने से हम बड़ी मात्रा में वस्तुओं का आयात तथा निर्यात करने लगे हैं।
4. कुछ सामान को विनिमय करके भी पूरा करते हैं। इस प्रकार से आज भारतीय बाजारों की दशा पहले से पूर्णतः परिवर्तित हो चुकी है।
5. इसे कुछ उदाहरणों द्वारा दर्शाया जा सकता है– विभिन्न कम्पनियों के मोबाइल फोन, टेलीविजन, विश्व के प्रख्यात निर्माताओं के डिजिटल कैमरे, प्रतिदिन नई कारों का बाजारों में आना, कई प्रकार के फल के रस, स्टेशनरी, कमीजें, सौन्दर्य प्रसाधन, फर्नीचर तथा बैंकिंग, बीमा, शिक्षा आदि की सेवाएँ आज भारत के बाजारों में उपलब्ध हैं।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था।

(B) वह स्थान, जहाँ नील उगाने वाले किसानों का आंदोलन हुआ था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) अमृतसर – राजा सांशी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा
(ii) कल्पाक्कम – आण्विक ऊर्जा संयंत्र
(iii) कोयम्बटूर – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र
(iv) बोकारो – लोहा और इस्पात संयंत्र
(v) हैदराबाद – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क
(vi) न्यू मंगलौर – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर

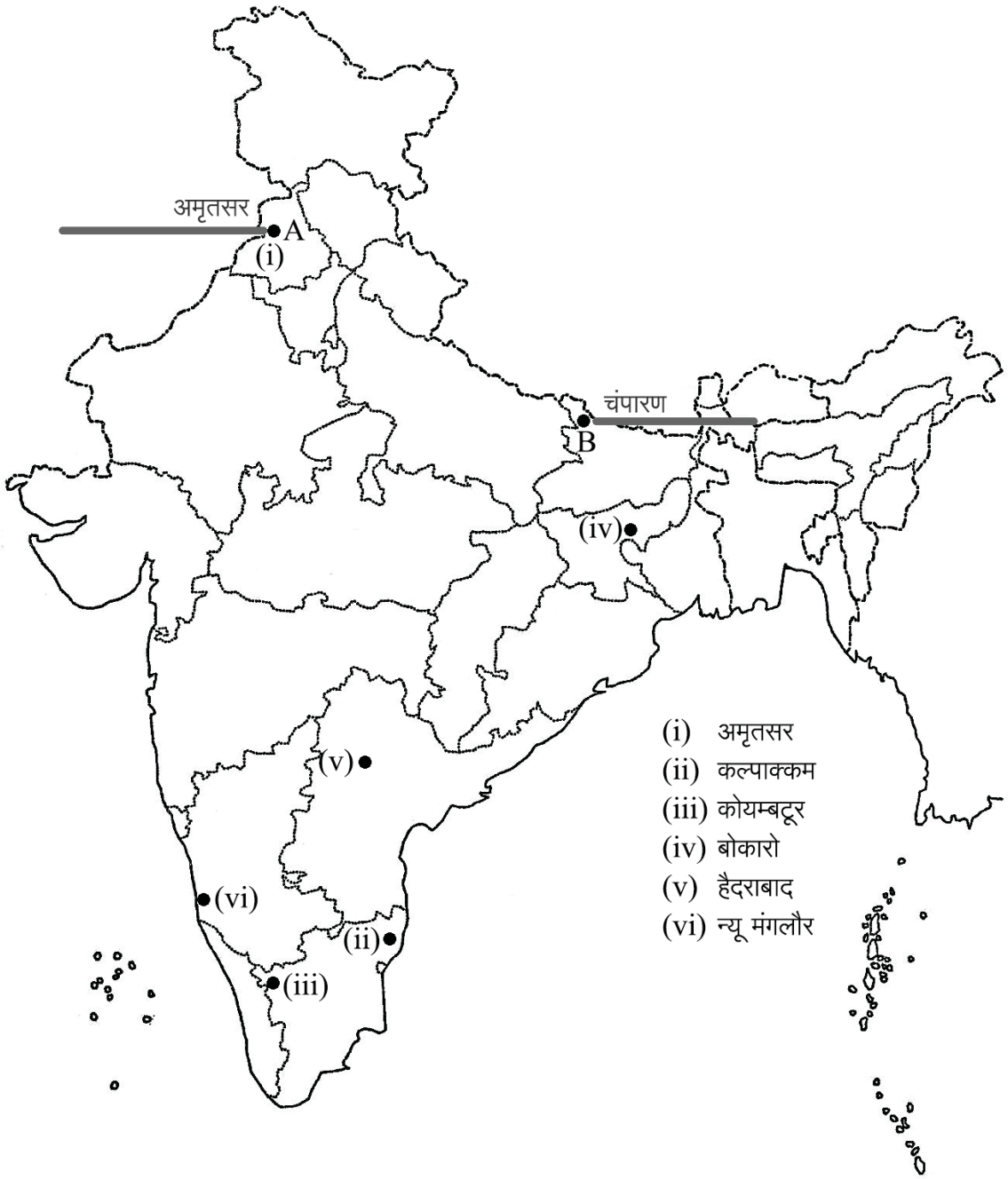

WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.